संपादकीय

चलें जरा संभल के

अब जबकि कुछ ऐसे हलकों से- जिन्हें किसी राजनीतिक मकसद से प्रेरित नहीं माना जा सकता- सवाल उठाए गए हैं, तो उन प्रश्नों के जवाब दिए जाने चाहिए। मकसद भरोसे का माहौल बनाना होना चाहिए।

यह नहीं कहा जा सकता कि आत्म-निर्भरता की भारत सरकार की नीति गलत दिशा में है। इसके तहत मेक-इन-इंडिया को बढ़ावा देने और सरकारी विभागों की खरीद में पारदर्शिता लाने की उसकी पहल इस नीति का ही हिस्सा हैं। पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल की शुरुआत की है। बहरहाल, इन उपायों को लेकर हाल में खास कर देश की रक्षा तैयारियों से जुड़े लोगों और वैज्ञानिक समुदाय के एक हिस्से की तरफ से असंतोष जताया गया है। रक्षा विशेषज्ञों ने तो यहां तक चेतावनी दी है कि पूरी तरह से देसी उपकरण खरीद की अपनाई गई नीति से सरहद पर देश की मुस्तैदी कमजोर हो सकती है। उधर वैज्ञानिकों के एक हिस्से की शिकायत है कि अनुसंधान के लिए भारत में बने उत्पाद उच्च गुणवत्ता वाले नहीं है और भारतीय कंपनियों की आफटर सेल सर्विस भी खराब है। इसलिए इस नीति से रिसर्च एंड डेलपमेंट पर खराब असर पड़ सकता है। एक शिकायत यह भी आई है कि कई भारतीय कंपनियां चीन में बने पुर्जों को मंगवा कर उसे असेंबल करती हैं और उसे स्वदेशी उत्पादन की शर्तों पर खरा बता कर बेच देती हैं। सरकार को इन तमाम शिकायतों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। आखिर अच्छी से अच्छी नीयत भी व्यावहारिक कारणों से खराब नतीजे की वजह बन सकती है।

सरकार पर यह आरोप पहले से रहा है कि आत्म-निर्भरता और मेक-इन-इंडिया के नाम पर असल में वह कुछ गिने-चुने औद्योगिक घरानों का हित साध रही है। सरकार अगर संबंधित पक्षों के साथ खुले संवाद की प्रक्रिया कायम रखती, तो ऐसे आरोपों या शिकायतों की गुंजाइश नहीं बन पाती। बहरहाल, अब जबकि कुछ ऐसे हलकों से- जिन्हें किसी राजनीतिक मकसद से प्रेरित नहीं माना जा सकता- सवाल उठाए गए हैं, तो उन प्रश्नों के जवाब दिए जाने चाहिए। मकसद भरोसे का माहौल बनाना होना चाहिए। इसके लिए अगर सरकार की नीति में कुछ फेरबदल करना पड़ा और इस पर अमल की गति धीमी करनी पड़े, तो सरकार को ऐसा करना चाहिए। ऐसे मामलों को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना कभी देश हित में नहीं होता।

सरकार की मासिक आर्थिक समीक्षा में दिया गया संकेत, आने वाले महीनों में आर्थिक विकास में होगा सुधार

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि संपर्क-गहन सेवाओं को पुनर्जीवित किया गया है और निजी खपत में वृद्धि हुई है, जिससे आने वाले महीनों में आर्थिक विकास में सुधार की उम्मीद है।

समीक्षा में कहा गया है कि जैसे-जैसे बाहरी दबाव कम होगा, मुद्रास्फीति का दबाव कम होने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत थी।

आगे कहा गया, निजी खपत में वृद्धि और चालू वर्ष में उच्च क्षमता उपयोग ने 2022-23 की पहली तिमाही में निवेश दर को पिछले दशक में अपने उच्चतम स्तर पर ले जाने के लिए कैपेक्स चक्र को और मजबूत किया है।

आर्थिक सेवाओं के विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट में आगे उल्लेख किया गया है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक विकास के साथ पूर्व-महामारी अवधि, यानी 2019-20 की पहली तिमाही से बहुत आगे है।

समीक्षा में कहा गया, 2022-23 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी अब 2019-20 के अपने समान स्तर से लगभग चार प्रतिशत आगे है, जो कि महामारी के बाद के चरण में भारत के विकास पुनरुद्धार की एक मजबूत शुरुआत है।

इसने आगे कहा कि सरकार के राजस्व में निरंतर वृद्धि से चालू वित्त वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय में भी मदद मिलेगी।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि भारत के बाकी दुनिया के साथ एकीकृत होने के कारण विकास और मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र के जोखिम बने हुए हैं।

आने वाले महीनों में मूल मुद्रास्फीति भी स्थिर रह सकती है क्योंकि कंपनियां जल्द से जल्द उपभोक्ता को उच्च इनपुट लागतें देती हैं।

विकास की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और विश्वसनीय मौद्रिक नीति महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वे सरकारी और निजी क्षेत्र में गिरावट के लिए उधार लागत सुनिश्चित करेंगे, जिससे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के पूंजी निर्माण की सुविधा होगी।

इसमें आगे बताया गया कि सर्दियों के महीनों के दौरान, उन्नत राष्ट्रों में ऊर्जा सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्रित करने से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है, जो भारत की अब तक की ऊर्जा जरूरतों को संभालने की चतुराई का परीक्षण कर सकता है। इन अनिश्चित समय में, संतुष्ट रहना और लंबे समय तक वापस बैठना संभव नहीं हो सकता है।

समीक्षा में कहा गया है कि खरीफ सीजन के लिए खराब फसल की बुवाई भी एक जोखिम है और इसके लिए स्टॉक और कीमतों के कुछ स्मार्ट और चतुर प्रबंधन की आवश्यकता होती है, जबकि साथ ही निर्यात में बाधा नहीं आती है।

आरबीआई 1 अक्टूबर से कार्ड टोकननाइजेशन मानदंड लागू करने के लिए तैयार

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) डेबिट या क्रेडिट कार्ड के दुरुपयोग के संबंध में विभिन्न शिकायतें दर्ज किए जाने के बाद 1 अक्टूबर से अपने कार्ड-ऑन-फाइल टोकनकरण मानदंडों को लागू करने के लिए तैयार है। पिछले कुछ वर्षो में साइबर धोखाधड़ी द्वारा कई लोगों को धोखा दिया गया क्योंकि उन्होंने भविष्य के भुगतान के लिए व्यापारियों की वेबसाइट पर अपने कार्ड का डेटा संग्रहीत किया है। आइए समझते हैं कि ये नए मानदंड क्या हैं और आपको अपने कार्ड को टोकन क्यों देना चाहिए।

सबसे पहले, टोकनाइजेशन का मतलब है कि आपके कार्ड का विवरण जैसे कि 16-डिजिट नंबर, नाम, एक्सपायरी डेट और कोड जिन्हें आप भविष्य के भुगतान के लिए पहले सहेजते थे, अब एक टोकन द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। लेनदेन के लिए व्यापारी की वेबसाइट द्वारा टोकन का उपयोग किया जाता है।

ग्राहकों के कार्ड के विवरण को सुरक्षित करने के लिए आरबीआई टोकन के इन मानदंडों को लागू कर रहा है। वर्तमान में, बैंक कार्ड विवरण एक लेनदेन के दौरान एक व्यापारी द्वारा सहेजा जाता है। यदि, व्यापारी की वेबसाइट हैक की जाती है, तो ग्राहकों का विवरण उजागर हो जाएगा। इन मानदंडों के लागू होने के बाद सभी ग्राहकों का डेटा बैंक के पास होगा, न कि मर्चेंट वेबसाइट के पास। सिक्योरिंग/टोकनाइजेशन आपको हर बार अपना पूरा कार्ड विवरण डालने की परेशानी से बचाने में भी मदद करता है। ग्राहकों को इस सेवा का लाभ उठाने के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा।

ऑस्ट्रिया की महंगाई दर अगस्त में 9 फीसदी के पार

वियना। ऑस्ट्रिया में महंगाई दर अगस्त में 9 फीसदी के उच्च स्तर पर रही। सांख्यिकी ऑस्ट्रिया ने कहा कि अगस्त में महंगाई दर 9.3 प्रतिशत दर्ज की गई, जो संशोधित जुलाई महंगाई दर 9.4 प्रतिशत से 0.1 प्रतिशत अंक कम है। हालांकि, मुद्रास्फीति विरोधी सरकार की नीतियों के बावजूद ऊर्जा और खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी जारी है।

महीने-दर-महीने मामूली गिरावट ईंधन की कीमतों के कारण है, जो जुलाई की तुलना में 10.4 प्रतिशत तक गिर गई। सांख्यिकी ऑस्ट्रिया ने कहा कि अगर ईंधन की कीमतों में गिरावट नहीं होती, तो अगस्त में महंगाई दर 9.9 प्रतिशत होती। सांख्यिकी ऑस्ट्रिया के महानिदेशक टोबीस थॉमस ने कहा, घरेलू ऊर्जा, भोजन और रेस्तरां के लिए बढ़ती कीमतों का रुझान अटूट रहा। ऑस्ट्रियाई सरकार ने मुद्रास्फीति से निपटने के उपायों के कई पैकेज पेश किए हैं, जिसमें बेरोजगारों और अन्य कमजोर समूहों के लिए सामाजिक लाभ बढ़ाना शामिल है।

2 अक्टूबर..गांधी जयंती पर कश्मीर को मिलेगी पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन

श्रीनगर। भारतीय रेलवे कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के अधिकारियों के अनुसार, कश्मीर घाटी 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर एक और मील का पत्थर पार करेगी, जब जम्मू-कश्मीर की पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन 137 किलोमीटर के बनिहाल-बारामूला कॉरिडोर पर चलना शुरू करेगी।

जम्मू-कश्मीर सरकार, भारतीय रेलवे और इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन लिमिटेड अगस्त 2019 से इस परियोजना पर एक साथ काम कर रहे हैं। परियोजना का निरीक्षण 26 सितंबर को किया जाएगा और परियोजना का उद्घाटन 2 अक्टूबर को किया जाएगा। एक अधिकारी ने परियोजना की लागत 324 करोड़ बताई, यह कहते हुए कि, बडगाम-बारामूला खंड पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि बडगाम-बनिहाल कॉरिडोर का निरीक्षण और उद्घाटन 26 सितंबर को किया जाएगा।

काजीगुंड, बडगाम और बारामूला में तीन मुख्य उप-स्टेशनों के साथ विद्युतीकरण के लिए कुल मार्ग की लंबाई 137.73 किमी है, जहां से रेल लाइन के ओवरहेड उपकरणों को बिजली की आपूर्ति की जाएगी। इस परियोजना का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना है। इससे 60 फीसदी ईंधन की खपत भी बचेगी। इसके साथ ही बनिहाल को कटरा से जोडऩे का काम भी चल रहा है। जब कटरा-बनिहाल लिंक पूरा हो जाएगा, तो कश्मीर देश के बाकी हिस्सों से बेहतर तरीके से जुड़ा होगा।

मुहम्मद रमजान नामक एक स्थानीय ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो जम्मू-कश्मीर को अन्य विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होने में मदद करेगा जहां आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह याद किया जा सकता है कि कश्मीर को पहली ट्रेन सेवा 2013 में मिली थी जब इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह ने किया था।

अंडर-17 महिला विश्व कप में खिलाड़ियों के लिए अनुभव प्राप्त करने का शानदार अवसर : विजयन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान आईएम विजयन को लगता है कि खिलाडिय़ों के लिए फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में ब्राजील और अमेरिका जैसी कुछ शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने और उनसे उच्च गुणवत्ता का अनुभव प्राप्त करने का यह एक शानदार अवसर है। विजयन ने कहा, यह खिलाडिय़ों के लिए अच्छा मौका है। ब्राजील और यूएसए जैसी कुछ शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने के लिए यह सबसे अच्छा समय है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे जीतते हैं या हारते हैं। ऐसी टीमों के खिलाफ खेलना अपने आप में एक अनुभव है और वह निश्चित रूप से उन्हें बढऩे में मदद करेंगे। उन पर बिल्कुल कोई दबाव नहीं है, और वे बस मैदान पर जा सकते हैं और इस पल का आनंद ले सकते हैं।

उन्होंने कहा, विश्व कप को पूरा देश देख रहा होगा, और उनके लिए यह दिखाने का सबसे अच्छा मौका है कि वे क्या कर सकते हैं। मैं निश्चित रूप से उनका उत्साह बढ़ाऊंगा। यह न केवल इस पल का आनंद लेने के लिए, बल्कि शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना है। भविष्य के लिए अनुभव हासिल करना कुछ अनूठा है, जो खिलाडिय़ों को मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा, विश्व कप भारत के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है। इस तरह के स्तर पर खेलना सौभाग्य की बात है। खिलाड़ी निश्चित रूप से सीनियर टीम से प्रेरणा ले सकती हैं, जिन्होंने पिछले साल ब्राजील के खिलाफ गोल किया था। यह बड़ी बात है कि मनीषा कल्याण ने किया।

विजयन ने कहा, ये ऐसे अनुभव हैं जो इन खिलाडिय़ों के साथ हमेशा रहेंगे, और फिर वे उन्हें अपने भविष्य के साथियों या बाद में अन्य खिलाडिय़ों को कोच बनने पर प्रदान कर सकते हैं। एआईएफएफ की तकनीकी समिति के अध्यक्ष के रूप में विजयन रविवार (18 सितंबर) को समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने एआईएफएफ के नए प्रबंधन की प्रशंसा की और माना कि भारतीय फुटबॉल समुदाय में उम्मीदें अधिक हैं।

बीसीसीआई ला रहा ये नया नियम, आईपीएल में खेल सकेंगे 15 खिलाड़ी

नई दिल्ली। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) अब नया नियम लाने की तैयारी में है। सूत्रों की माने, तो इस नियम के आने के बाद मैच में 11 की बजाए 15 खिलाड़ी खेलने के लिए योग्य हो जाएंगे।

जानकारी के अनुसार इस नियम को 'इम्पैक्ट प्लेयर' नाम दिया जा सकता है। इस नियम के टेस्टिंग के लिए सबसे पहले घरेलू क्रिकेट में ही यह लागू किया जाएगा। बीसीसीआई सबसे पहले 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे टी20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से यह नया नियम लागू कर सकता है।

घरेलू क्रिकेट में टेस्टिंग के बाद इस 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को अगले साल होने वाली आईपीएल 2023 सीजन में भी लागू किया जा सकता है। बता दें कि यह नियम ऑस्ट्रेलियाई टूर्नामेंट बिग बैश लीग में भी 'एक्स फैक्टर' के नाम से लागू है। मगर वहां 15 की बजाय 13 प्लेयर को खेलने के लिए अनुमति दी जाती है।

रोमांचक होगा हर मैच- नए नियम लाने को लेकर बीसीसीआई ने सभी राज्यों को एक सर्कुलर भेजा है। इसमे कहा गया है, 'टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए अब नया कुछ लाने की तैयारी है। इसके जरिए फैन्स के साथ प्लेयर्स और टीमों के लिए भी इस फॉर्मेट को और ज्यादा रोचक बनाया जा सके।' नियम किस तरह का होगा, इसको लेकर भी सर्कुलर में बताया गया है।

नियम में क्या कुछ होगा खास, इसके बारे में भी हम आपको बताने जा रहे है। नियम के मुताबिक, 'टीम के कप्तान को टॉस के समय प्लेइंग-11 को बतानी होगी, साथ ही 4 अन्य खिलाडिय़ों के नाम भी बतौर सब्सिट्यूट देने होंगे। इन चारों खिलाडिय़ों में से किसी एक को 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के तहत प्लेइंग-11 में शामिल प्लेयर से रिप्लेस किया जा सकता है।' बतौर 'इम्पैक्ट प्लेयर' जिस भी खिलाड़ी का इस्तेमाल किया जाएगा, वही मैच खेलेगा। प्लेइंग-11 से बाहर किया गया प्लेयर मैच नहीं खेल सकेगा। उस प्लेयर से फील्डिंग भी नहीं करवाई जा सकेगी। मैच में ब्रेक के टाइम भी प्लेयर का इस्तेमाल नहीं होगा।

माधुरी दीक्षित नेने माजा मां में निभाएंगी मुख्य भूमिका

माधुरी दीक्षित नेने आगामी फिल्म माजा मा में मुख्य कलाकार के रूप में दिखाई देंगी, जो एक पारिवारिक मनोरंजन है, यह 6 अक्टूबर को डिजिटल रूप से रिलीज होने वाली है। आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित, माजा मा प्राइम वीडियो की पहली भारतीय अमेजॅन ओरिजिनल फिल्म है, जो एक पारंपरिक त्यौहार और एक सर्वोत्कृष्ट, रंगीन भारतीय शादी की जश्न की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

इसमें गजराज राव, ऋत्विक भौमिक, बरखा सिंह, सृष्टि श्रीवास्तव, रजित कपूर, शीबा चड्ढा, सिमोन सिंह, मल्हार ठाकर और निनाद कामत सहित कलाकारों की टुकड़ी है। निर्देशक आनंद तिवारी ने कहा कि बंदिश बैंडिट्स की सफलता के बाद प्राइम वीडियो के साथ यह उनका दूसरा प्रोजेक्ट है।

यह फिल्म हम सभी के लिए प्यार का श्रम है, अद्भुत प्रतिभाशाली कलाकारों से लेकर मेहनती दल तक, जिनमें से प्रत्येक ने दर्शकों के लिए इस अद्भुत फिल्म को लाने के लिए अपनी पूरी कोशिश की है।यह कहानी मानवीय भावनाओं और जीवन के कई पाठों से भरी हुई है जो दर्शकों के फिल्म देखने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है।

मैं इस खूबसूरती से गढ़ी गई कहानी पर दर्शकों की प्रतिक्रियाओं को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। देश के बाहर अच्छा है।

सूर्या 42 में अपने किरदार को लेकर उत्साहित हुई दिशा पटानी

आगामी पीरियोडिक एक्शन फिल्म सूर्या 42 में नजर आने वाली अभिनेत्री दिशा पटानी इस तरह बड़ी परियोजना का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं।

दिशा ने कहा, मैं सूर्या सर और शिवा सर के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। इस तरह के एक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है, जिसमें दर्शकों को बड़े पर्दे पर अनुभव करने के लिए सभी बड़े-से-बड़े तत्व मिले हैं।

उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, मैं जो किरदार निभा रही हूं, वह भी काफी अनोखा है और मैं दर्शकों के सामने अपने पहले कभी न देखे गए अवतार को लाने के लिए भी उत्साहित हूं।

आज का राशिफल

मेष : आज के दिन आपका दिमाग स्थिर नही रहेगा। पल पल में निर्णय बदलने से स्वयं तो परेशान होंगे साथ वालो को भी असमंजस में डालेंगे। घर मे माता को छोड़ अन्य सभी आपकी मानसिक स्थिति नही समझ पाएंगे।

वृष : आज के दिन आपका व्यक्तित्त्व भीड़ में अलग ही नजर आएगा। सार्वजिनक क्षेत्र पर आपकी पहचान खुशमिजाज व्यक्ति की बनेगी लेकिन आज मन का भेद किसी को ना बताये भावुकता में कुछ बोलने पर अन्यथा सम्मान में कमी आ सकती है।

मिथुन : आज दिन के आरम्भ में आप के ऊपर अकस्मात कार्य भर बढेगा। कुछ समय के लिये दिमाग शून्य जैसा रहेगा मध्यान आते आते ही कार्यो में सामान्य गति आ आपायेगी।

कर्क : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है लेकिन दिन के आरम्भ से ही व्यवहार में मृदुता लाने का प्रयास करें अन्यथा जिस भी कार्य की करेंगे उसमे सफलता तो मिलेगी लेकिन जो कार्य आसानी से बन रहा था उसी को पूर्ण करने के लिये किसी की खुशामद करनी पड़ेगी।

सिंह : आज के दिन का आरंभ सुखद रहेगा किसी जटिल समस्या का तुरंत समाधान करने पर प्रशंसा के पात्र बनेंगे। घरेलू वातावरण में थोड़ी बहुत नोकझोंक भी होगी।

कन्या : आज आप दिन भर पूर्वाग्रह से ग्रसित रहेंगे जल्दी से किसी की बात सुनने के लिये तैयार नही होंगे। वैसे तो आपकी दिनचार्य व्यवस्थित ही रहेगी। आध्यात्मिक कार्यो में रुचि लेंगे पूजा दैनिक पूजा के साथ लघु देव यात्रा करेंगे।

तुला : आज के दिन आपकी सेहत में उतार चढ़ाव लगा रहेगा। जल्दी से किसी कार्य को करने का मन नही करेगा जब भी कार्य करने का मन बनाएंगे तभी शारीरिक समस्या जोर पकड़ेगी आलस्य भी आज प्रत्येक कार्य मे बाधा डालेगा।

वृश्चिक : आज आपकी मानसिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी लेकिन दाम्पत्य में छोटी-छोटी बातों को प्रतिष्ठा से जोडक़र झगड़ पड़ेंगे। घर मे शांति बनाए रखने के लिये आज कम ही बोले। संतान के ऊपर नजर रखें अन्य जगह दिमाग रहने के कारण पढ़ाई में लापरवाही करेंगे।

धनु : आज आपका स्वभाव छोटी छोटी बात पर गरम होगा। सेहत में भी आज कुछ न कुछ विकार लगा रहेगा जिससे स्वभाव में झुंझलाहट आ सकती है। सरकारी कार्यो में ढील ना दे उलझने बढ़ सकती है।

मकर : आज के दिन आप विचारों से साहसी नजर आएंगे लेकिन नरम सेहत लगभग सभी कार्यो को अस्त व्यस्त बनायेगी। दिन के आरंभिक भाग में सर्दी अथवा फेफड़ो में संक्रमण के कारण शारीरिक रूप से शिथिल रहेंगे।

कुंभ : आज आप राग-द्वेष की भावना से भरे रहेंगे। किसी को आगे बढ़ते हुए देखना पसंद नही आएगा। परिजन आपकी मानसिकता को जानते हुए भी मार्गदर्शन करने की जगह अवहेलना करेंगे जिससे आंतरिक क्रोध बढ़ेगा।

मीन : आज का दिन आपके धनधान्य में वृद्धि करेगा। पिता अथवा किसी पैतृक समस्या का समाधान होने से राहत मिलेगी। पुश्तैनी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी लेकिन गुप्त शत्रु भी बढ़ेंगे।

भरवां पराठे या तहरी हर किसी का मजा दोगुना कर देगा 'बथुआ रायता'

सर्दियों में भरवां पराठे, तहरी, मटर पुलाव जैसी डिशेज बनती ही रहती हैं जिसका असली स्वाद चटनी और रायते के साथ ही आता है। तो आज हम सीखेंगे बथुए का रायता बनाना।

सामग्री :

बथुए की पत्तियां- 2 कप, दही- 2 कप, हरी मिर्च कटी हुई- 2, अदरक कद्दूकस की हुई- 1/2, काला नमक- 1/2 टीस्पून, जीरा पाउडर- 1/2 टीस्पून, काली मिर्च- 1/4 टीस्पून, तेल- 1/2 टीस्पून

विधि :

- बथुए का रायता बनाने के लिए उसकी पत्तियों को अलग कर धोकर काट लें।
- पैन में तेल गर्म करें इसे बथुए को हल्का सॉफ्ट होने तक पका लें और फिर ठंडा कर लें।
- ठंडा होने के बाद इन्हें पीस लें।
- अब बाउल में दही, हरी मिर्च, अदरक, काला नमक, जीरा पाउडर और काली मिर्च पाउडर मिक्स करें। सबसे बाद में पीसा हुआ बथुआ।
- स्वादानुसार नमक मिलाएं।
- तैयार है बथुए का रायता, जिसे आप स्टफ्ड पराठे, तहरी या पुलाव जिस किसी के भी साथ चाहे सर्व कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य- 198

बाएं से दाएं
1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे
1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

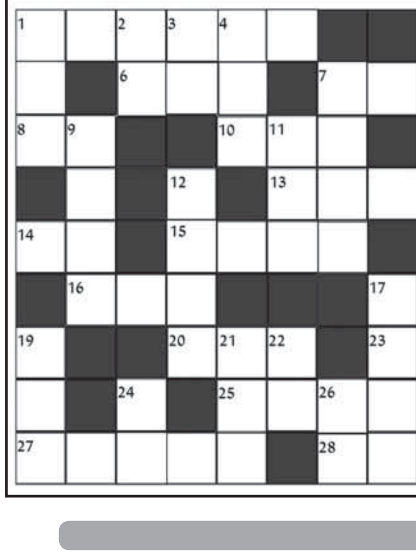

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 197 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू-दोकू- 198

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.197 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6